

MR. SPEAKER: Item No. 6 is both in Hindi and in English.

श्री राम प्रकाश त्रिपाठी : आप प्राइटम 6 (2) को देखिये—यह दोनों भाषाओं में प्रानी चाहिये । इसी तरह से प्राइटम 7 दोनों भाषाओं में पेश की जानी चाहिये—लेकिन इन दोनों को केवल अंग्रेजी में पेश किया गया है ।

(Interruptions)

श्री राम बिलास पालवान : अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में हाउस में हमेशा बर्बाद होती है और आप हमेशा कलम भी देते हैं, लेकिन पता नहीं आप के प्रादेशों का आप के सेक्रेटेरियट द्वारा पालन भी किया जाता है या नहीं ।

मैं इस समय आप से यह व्यवस्था चाहूंगा—जब आप ने अपने सचिवालय को प्रादेश दे रखा है तो उसका पालन क्यों नहीं किया जाता है । यह एक सर्वधानिक चीज है, किसी कमेटी का मामला नहीं है, जब आप किसी देशी भाषा में काम-काज नहीं चला सकते हैं तो कम से कम उस को अंग्रेजी के साथ तो रखिये । इस के 5 दिन पहले भी मैं ने कहा था, तब आपने यह कहा था—
I will look into the matter.

आप देखिये—पी० ए० सी० की 1977 में 11 रिपोर्टें आईं, 1978 में 28 रिपोर्टें आईं, एस्टी-मेट्स कमेटी की 5 रिपोर्टें आईं—लेकिन ये सब रिपोर्टें अंग्रेजी में आईं । आज मैं आप से स्पष्ट रूप से व्यवस्था चाहूंगा—आप इस रिपोर्ट को हाउस में रखवाने से पहले व्यवस्था कीजिये—क्या इस सब में सिर्फ अंग्रेजी ही चलेगी या आप उस के साथ देशी भाषा हिन्दी को भी चलाना चाहते हैं? इस व्यवस्था के बाद आप रिपोर्टें पेश करने की अनुमति दीजिये ।

MR. SPEAKER: Last time, when the objection was taken I had given a direction that all reports must be placed in both the languages English as well as Hindi ...

श्री तुलन बन्ध कडवाय : (उज्जैन) : फिर वह अंग्रेजी में क्यों जाती है ?

(Interruptions)

श्री मोहन लाल विज्जिन (बुर्जा) : अध्यक्ष महोदय, यहाँ पर स्टॉक की बहुत कमी है, इसी वजह से रिपोर्टें तैयार नहीं होती हैं । अभी 4 हजार पेश अंग्रेजी से हिन्दी में ट्रांसलेशन होने बाकी हैं ।

MR. SPEAKER: Please here me. The other day, when the objection was taken, it was explained that some of the reports could not be placed because the printing in Hindi was not possible and there was not enough press facility. Therefore, several members from the Hindi-speaking areas sent me a letter saying that by July, I must try to make the arrangement for publishing reports in both the languages and up till then, the report may be placed in whatever language it is ready. It is on the basis of that letter that I have permitted it. I shall try to have the reports placed in both languages by July.

12.20 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE
HUNDRED AND TWELFTH AND HUNDRED
FIFTEENTH REPORTS

SHRI P. V. NARASIMHA RAO (Hanamkonda): I beg to present the following reports of the Public Accounts Committee:—

(1) Hundred and twelfth Report (Hindi and English versions) on

Paragraph 26 of the Report of Comptroller and Auditor General of India for the year 1976-77, Union Government (Posts and Telegraphs) relating to overpayments made on five year recurring deposit accounts.

(2) Hundred and fifteenth Report (English version) on Action Taken by Government on the recommendations of the Public Accounts Committee contained in their Thirty-third Report on Haldia Dock Project.